जालंधर, रविवार 09 जून 2024
JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH
+91 97814 00247

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

सुविचार

अन्याय में सहयोग देना,
अन्याय के ही समान है!

@vandebharat24 vandebharat24news @vandebharat24news www.vandebharat24.com

सड़क पर गिरी लड़की, तलवार से करता रहा वार...

मोहाली में एक तरफा प्यार में कत्ल

जालंधर (हर्ष शर्मा) : पंजाब के मोहाली में एक युवती पर तलवार से हमला करने का मामला सामने आया है. युवती बस से उतर रही थी, तभी एक युवक ने उस पर तलवार से एक साथ कई वार कर दिए. आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया. वहीं, घायल युवती को अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान युवती की मौत हो गई. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है. यह घटना मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई.

घटना शनिवार यानी 8 जून सुबह करीब 8 बजे की है. पुलिस का कहना है कि दो-तीन लड़कियां बस से उतरकर रोजाना की तरह नौकरी करने के लिए जा रही थीं. इस दौरान वहीं पास के पेड़ के नीचे एक युवक घात लगाए बैठा था. युवक ने बैग से तलवार निकाली और लड़की पर हमला कर दिया. आरोपी ने युवती पर तलवार से करीब 8 बार वार किया है. यह देख घबराईं दूसरी लड़कियां वहां से भाग गईं. वहीं, युवक भी वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गया.

क्या बताया पुलिस ने?

पुलिस का कहना है कि युवती का नाम बलजिंदर कौर (उम्र 26 साल)है. वह पंजाब के मोरिंडा की रहने वाली थी और मौहाली की एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी कर रही थी. पुलिस के मुताबिक, यह मामला एक तरफा प्यार का हो सकता है. फिलहाल मामले में जांच जारी है.

CCTV में क्या रिकॉर्ड हुआ..

CCTV कैमरे में रिकॉर्ड हुई घटना के मुताबिक 5 लड़कियां मोरिंडा से फेज 5 की तरफ आ रही थी। पहले से ही एक नकाबपोश युवक पेड़ के नीचे खड़ा था। जैसे ही लड़कियां पेड़ के पास आई तो युवक ने अपनी तलवार निकाल ली। इसके बाद उसने बलजिंदर कौर पर हमला कर दिया।

यह देखकर दूसरी लड़कियां वहां से भागने लगीं। बलजिंदर ने भी भागने की कोशिश की, लेकिन युवक पीछे कर उस पर वार करता रहा। युवक को हमला करता देख एक स्कूटर सवार व्यक्ति रुका। लेकिन युवक के हाथ में तलवार देख वह भी युवती की मदद न कर पाया। इसके बाद युवती जमीन पर बेसुध होकर गिर गई। फिर भी युवक उस पर लगातार बेरहमी से वार करता रहा। इसके बाद युवक पैदल ही वहां से सड़क की तरफ निकल गया।

हॉस्पिटल में तोड़ा दम

वहीं, घटना के बाद लोगों में अफरा-तफरी मच गई. लोगों ने पुलिस को कॉल कर मामले की जानकारी दी. साथ ही घायल युवती को इलाज के लिए अस्पताल ले गए. जहां डॉक्टरों ने इलाज के लिए घायल को भर्ती किया लेकिन कुछ ही देर में युवती की मौत हो गई. फिलहाल मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की जांच जारी है.

अकाल तख्त साहिब के मुख्य ग्रंथी के बेटे समेत तीन की सड़क हादसे में मौत

20 फीट गहरे गड्ढे में समाई कार

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : पंजाब के अमृतसर के श्री अकाल तख्त साहिब के मुख्य ग्रंथी सिंह साहिब ज्ञानी मलकीयत सिंह वरपाल के पुत्र हरचरणप्रीत सिंह रागी, उनके ससुर जसबीर सिंह और साथी गुरप्रीत सिंह की शुक्रवार को सड़क हादसे में मौत हो गई।

20 फीट गहरे खड्डे में पलट गई कार

कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर दोपहर खागा क्षेत्र में ब्राह्मणपुर मोड़ पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर रेलिंग व संकेतक तोड़ते हुए 20 फीट गहरे खड्डे में जाकर पलट गई। कार सौ मीटर दूर खेतों तक जा पहुंची।

कार से बरामद हुआ ये सामान

पुलिस ने कार से एक लाइसेंसी रिवाल्वर व तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। कार सवार कीर्तन समागम में शामिल होने झारखंड के टाटानगर (जमशेदपुर) जा रहे थे। हादसे की वजह कार चालक को झपकी आना बताया जा रहा है।

लव जिहाद का आरोप: बहरीन भेजी गई लड़की का पता लगाए भारतीय दूतावास, हाईकोर्ट ने दिया आदेश

जालंधर(हिमांशु) : लव जिहाद का आरोप लगाते हुए दाखिल याचिका पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने बहरीन में मौजूद लड़की की सलामती की पुष्टि की प्रक्रिया कतर में मौजूद भारतीय दूतावास के माध्यम से तेजी से पूरी करने का केंद्र सरकार को आदेश दिया है।

इसके साथ ही उसके परिजनों की वीडियो कॉल पर बातचीत सुनिश्चित करने का केंद्र व पंजाब सरकार को आदेश दिया है।

याचिका दाखिल करते हुए लड़की के जालंधर निवासी परिजनों ने बताया कि उनकी बेटी एक 19 साल के लड़के के साथ सहमति संबंध में रह रही थी।9 मार्च, 2024 को वह बहरीन चली गई और उसके बाद उसका एक वीडियो सामने आया। इसमें उसने कहा था कि उसे यहां बेच दिया गया है। हाईकोर्ट ने इस मामले में पंजाब सरकार से जवाब मांगा था। पंजाब सरकार ने बताया कि बाद में वीडियो

डिलीट कर दिया गया था। बाद में लड़की ने कहा था कि उसके परिजन उसे बार-बार फोन करके वापस भारत बुला रहे हैं। पंजाब पुलिस ने बताया कि लड़की का साथी 10 मार्च को बहरीन चला गया था।

हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले में लड़की की कुशलता अदालत की प्राथमिकता है। लड़की के वीडियो से पूरा विवाद पैदा हुआ था और ऐसे में यह जरूरी है कि याचिकाकर्ताओं की उनकी बेटी से बात करवाई जाए। इस दौरान कोर्ट को बताया गया कि लड़की का पता उपलब्ध न होने के चलते यह कार्य मुश्किल है। ऐसे में हाईकोर्ट ने अब पंजाब पुलिस को केंद्र सरकार की मदद से याचिकाकर्ताओं की उनकी बेटी से वीडियो कॉल पर बात सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। साथ ही कतर में भारतीय दूतावास के माध्यम से उसका पता लगाकर सलामती सुनिश्चित करने का भी केंद्र सरकार को आदेश दिया है।

HAKIM TILAK RAJ KAPOOR HOSPITAL PVT. LTD.
NEAR FOOTBALL CHOWK, JALANDHAR | Call/Whatsapp No. +91-95015-02525
आयुर्वेदिक एवं यूनानी दवाइयों तथा पंचकर्मा द्वारा
हर बीमारी के सफल इलाज के लिए मिलें।
Dr. Nuvneet Kapoor
B.A.M.S., M.D (H.T.R.K.)
Ph.: 0181-5092525
Website : www.hakimtilakraj.in

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES
Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.
COURSES OFFERED
ANM 2 Years Diploma
GNM 3 Years Diploma
B.Sc (Nursing) 4 Years Degree
D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma
10+1 & 10+2 (P.S.E.B)
V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

राहुल गांधी बनें विपक्ष के नेता

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्यों ने शनिवार को प्रस्ताव पारित कर राहुल गांधी को लोकसभा में पार्टी का नेता नियुक्त किया। कांग्रेस की सीडब्ल्यूसी बैठक के बाद कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सीडब्ल्यूसी (कांग्रेस कार्यसमिति) ने सर्वसम्मति से राहुल गांधी से लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद संभालने का अनुरोध किया।

राहुल जी संसद के अंदर इस अभियान का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं

इस चुनाव में कांग्रेस के सीटों की संख्या 52 से बढ़कर 99 पर पहुंच गई है और लोकसभा में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। यह पहली बार होगा, जब 2014 में सत्ता से बाहर होने के बाद कांग्रेस को लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद मिलेगा, पिछले 10 सालों में कांग्रेस को यह पद नहीं मिल पाया था, क्योंकि 2014 और 2019 में दोनों बार ही सदन में उसकी सीटें कुल सीटों के 10 प्रतिशत से कम थीं।

हाल ही में संपन्न चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए ने 293 सीटें जीतीं और सरकार बनाने के लिए तैयार है।2014 में सत्ता में आने के बाद यह पहली बार होगा जब भाजपा निचले सदन में बहुमत के बिना सरकार बनाएगी।

खरगे की अध्यक्षता में हुई बैठक

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में हुई। इस बैठक में लोकसभा चुनाव में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी और राहुल गांधी योगदान की सराहना की गई। बैठक में इसे लेकर एक प्रस्ताव भी पारित किया गया।

इंडिया गठबंधन को सराहा

कांग्रेस कार्यसमिति विभिन्न राज्यों में अपने घटक दलों को इन चुनावों को सशक्त तरीके से लड़ने के लिए धन्यवाद देती है. उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और महाराष्ट्र में साथी दलों के सहयोग से इंडिया गठबंधन ने अपना झंडा गाड़ा. 18वीं लोकसभा में इंडिया गठबंधन का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा. प्रस्ताव में कहा गया है कि अंत में, कांग्रेस कार्यसमिति ने कांग्रेस के सकारात्मक परिवर्तन पर खुशी जताते हुए यह भी स्वीकार किया कि हमारे सामने अभी भी कई चुनौतियां बाकी हैं. इसमें कोई संदेह नहीं कि हम पुनर्जीवित हो चुके हैं, लेकिन देश के राजनीतिक जीवन में पार्टी का जो प्रमुख स्थान था, उसे हासिल करने के लिए हमें अभी भी लंबा सफर तय करना बाकी है. भारत की जनता ने कांग्रेस को एक और मौका दिया है. अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस अवसर का लाभ उठाएं और हम ऐसा करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं. यह इस कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक की दृढ़ प्रतिबद्धता है।भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सामाजिक व आर्थिक न्याय एवं संवैधानिक मूल्यों, सिद्धांतों व प्रावधानों के प्रति अपनी कटिबद्धता दोहराती है।

विस्तारित कार्य समिति की बैठक में पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और कार्य समिति के अन्य सदस्यों के साथ-साथ वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

कार्य समिति ने राहुल गांधी से नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभालने का आग्रह करते हुए भी एक प्रस्ताव पारित किया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि जिन राज्यों में हमारा प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा है, उनकी समीक्षा की जाएगी और उसके लिए एक समिति का गठन किया जाएगा। समिति समीक्षा करने के बाद अपनी रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपेगी।

प्रधानमंत्री की नैतिक हार

कार्य समिति में पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि कांग्रेस कार्य समिति की यह बैठक हमारे देश के लोगों को इस लोकतंत्र को बचाए रखने, इस गणतंत्र के संविधान की रक्षा करने और सामाजिक-आर्थिक न्याय को बढ़ाने के लिए इतने शक्तिशाली जनादेश के लिए बधाई प्रेषित करती है। इस देश की जनता ने पिछले एक दशक में की गई शासन की प्रकृति और शैली दोनों को निर्णायक रूप से नकार दिया है। लोकसभा चुनावों का ये जनादेश न केवल प्रधानमंत्री की राजनीतिक हार है, बल्कि उनकी नैतिक हार भी है। उन्होंने अपने नाम पर जनादेश मांगते हुए झूठ, नफरत, पूर्वाग्रह, विभाजन और अत्यधिक कट्टरपंथी अभियान चलाया. यह जनादेश स्पष्ट रुप से लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं को 2014 के बाद निरंतर दबाए जाने के विरूद्ध है।

चुनाव परिणाम सामूहिक प्रयास का नतीजा

प्रस्ताव में कहा गया है कि कांग्रेस कार्य समिति, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को पुनरुत्थान के मार्ग पर मजबूती से लाने के लिए देश के लोगों को धन्यवाद देती है।कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता मजबूती से डटे रहे। इस देश के लोगों ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में नई जान फूंकी है, जिसके लिए हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। पार्टी ने बेहतरीन अभियान चलाया जिसके केंद्र में गणतंत्र के संविधान और अनुसूचित जाति जनजाति एवं पिछड़े वर्ग के आरक्षण के अवसर के प्रावधानों की जोरदार रक्षा को रखा गया था।

प्रस्ताव में कहा गया कि हमने एक स्पष्ट वैकल्पिक राजनैतिक, आर्थिक और सामाजिक दृष्टिकोण रखा. गरीबों का हित हमारे अभियान के केंद्र में था एवं राष्ट्रव्यापी सामाजिक और आर्थिक जनगणना को हमने रेखांकित किया, जिससे सामाजिक न्याय, सशक्तीकरण एवं नौजवानों व किसानों की आकांक्षाओं को संबोधित किया जा सके. आम चुनावों का ये परिणाम वास्तव में हमारे सामूहिक प्रयास का नतीजा है।

चुनावी नतीजों के बाद कहां से शुरू होगा बीजेपी का 'ऑपरेशन लोटस'? कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम ने किया खुलासा

जालंधर (जसवीर) : लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के बाद बीजेपी का ऑपरेशन लोटस एक बार फिर चर्चा में आ गया है. तमिलनाडु की शिवगंगा लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने दावा किया है कि बीजेपी का पहला ऑपरेशन लोटस युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी पर होगा.

उन्होंने कहा कि बीजेपी ने अपने सभी गठबंधन और सहयोगी दलों पर ऑपरेशन लोटस चलाया है. अगर राजनीतिक पंडित सही हैं तो वाईएसआरसीपी के दो तिहाई लोकसभा सांसद (4) और राज्यसभा सांसद (11) का बीजेपी में विलय होना समय की बात है.

इधर, इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि आंध्रप्रदेश में बीजेपी अपने ऑपरेशन लोटस को कब और कैसे शुरू करेगी. दरअसल, कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम का कहना है कि बीजेपी का ऑपरेशन लोटस YSRCP पर होगा. इससे पहले

भी साल 2019 में तेलगू देशम पार्टी के छह में से चार राज्यसभा सांसद बीजेपी में शामिल हो गए थे.

आंध्र विधानसभा चुनाव में TDP ने 135 सीटों पर जीत दर्ज की : तेलुगू देशम पार्टी ने 135 सीटें जीतकर आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव जीता है. जबकि जन सेना पार्टी को 21 सीटें, मौजूदा वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को 11 सीटें और बीजेपी को 8 सीटें मिली हैं.

जहां आंध्र प्रदेश में 25 लोकसभा सीटें हैं, जिसमें से तेलगू देशम पार्टी ने 16 सीटों पर जीत दर्ज की है. जबकि, जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी को महज 4 सीटें मिलीं. जनसेना पार्टी को 2 सीटें मिली हैं. इसके अलावा बीजेपी ने यहां पर 4 सीटों पर जीत दर्ज की है. जबकि, कांग्रेस अपना खाता तक नहीं खोल पाई.

BJP ने चलाया था 'ऑपरेशन लोटस' गंवा दी हिमाचल की चारों सीटें

हिमाचल में कुछ महीने पहले 'ऑपरेशन लोटस' चलाए जाने का दावा किया गया था. जहां बीजेपी ने हिमाचल प्रदेश की सुजानपुर, गगरेट, कुटलैहाड़ और लाहौल स्पीति विधानसभा सीट पर 'ऑपरेशन लोटस' चलाया था. इससे प्रभावित होकर चारों सीटों के सभी कांग्रेस विधायकों ने अपनी ही पार्टी बगावत कर दी थी. बगावत के बाद स्पीकर की ओर से चारों विधायकों को अयोग्य ठहरा दिया गया. फिर इन चारों सीटों पर उपचुनाव हुए.

जब 4 जून को देश की 542 लोकसभा सीटों के साथ-साथ हिमाचल की 4 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे भी सामने आए, जहां बगावत करने वाले चारों विधायकों को हार का सामना करना पड़ा. जबकि, चारों सीटों पर कांग्रेस के प्रत्याशियों को जीत हासिल हुई है.

मोदी 3.0 कैबिनेट में किसी को भी मिल सकती है जगह, लिस्ट आई सामने, इन नामों पर चल रही चर्चा

जालंधर (हर्ष शर्मा) : बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए ने लोकसभा चुनाव 2024 में लगातार तीसरी जीत हासिल की है। इसके बाद रविवार (9 जून, 2024) को नरेंद्र मोदी भी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।उनके शपथ ग्रहण समारोह में ही कुछ सांसदों को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है। फिलहाल मोदी 3.0 की कैबिनेट के लिए कई नेताओं के नाम सबसे आगे हैं। कई नामों पर चर्चा हो रही है।

कैबिनेट में जेडीयू की स्थिति, 2 मंत्री हो सकते हैं : एक खबर के मुताबिक अहम बात यह है कि एनडीए की अहम पार्टी जनता दल यूनाइटेड को भी मोदी कैबिनेट में अच्छी जगह मिल सकती है। कहा जा रहा है कि जेडीयू के दो सांसदों को मंत्री बनाया जा सकता है। ऐसे में चर्चा है कि लोकसभा सांसद ललन सिंह और राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है।

इन नामों पर हो रही है चर्चा!

नाम - पार्टी

पीयूष गोयल – भाजपा महाराष्ट्र
नारायण राणे – भाजपा महाराष्ट्र
नितिन गडकरी – बीजेपी महाराष्ट्र
संदीपन भुमरे–शिवसेना शिंदे गुट
प्रताप राव जाधव–शिवसेना शिंदे गुट
प्रफुल्ल पटेल/सुनील तटकरे–एनसीपी अजित पवार गुट
जी किशन रेड्डी – बीजेपी तेलंगान
एटाला राजेंद्र – बीजेपी तेलंगाना
डीके अरुणा – बीजेपी तेलंगाना
डॉ के लक्ष्मण – भाजपा तेलंगाना
राम मोहन नायडू – टीडीपी आंध्र प्रदेश
हरीश – टीडीपी आंध्र प्रदेश
चन्द्रशेखर – टीडीपी आंध्र प्रदेश
पुरंदेश्वरी – बीजेपी आंध्र प्रदेश
रमेश – भाजपा आंध्र प्रदेश
बाला शौरी – जनसेना पार्टी
प्रह्लाद जोशी – बीजेपी कर्नाटक
बसवराज बोम्मई – बीजेपी कर्नाटक
जगदीश शेट्टर – बीजेपी कर्नाटक
शोभा करंदलाजे – बीजेपी कर्नाटक
डॉ. सी.एन. मंजूनाथ – बीजेपी कर्नाटक
एच. डी. कुमारस्वामी– जेडीएस कर्नाटक
सुरेश गोपी – भाजपा केरल
वी मुरलीधरन – बीजेपी केरल
राजीव चन्द्रशेखर – भाजपा केरल
एल मुरगन – भाजपा तमिलनाडु
के अन्नामलाई – भाजपा तमिलनाडु

आंध्र में 'आंधी' के बाद, पवन कल्याण का दिल्ली में भी फर्स्ट डे-फर्स्ट शो रहा हिट

जालंधर (नितिका) : 'ये पवन नहीं है, आंधी है.' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद भवन के अंदर एनडीए परिवार की विशाल सभा में पवन कल्याण का परिचय इस तरह से कराया. पवन ने मोदी की उदार प्रशंसा को स्वीकार किया, लेकिन यह क्षण इस बात का सबूत था कि 'पावर स्टार' के नाम से मशहूर अभिनेता ने आखिरकार आंध्र प्रदेश और भारत के पावर मैप पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है.

मोदी ने 'पवन' शब्द का इस्तेमाल किया. लेकिन दिलचस्प बात यह है कि 'पवन' उनके माता-पिता द्वारा दिया गया नाम नहीं था. वे मूल रूप से कल्याण बाबू थे, जो वरप्रसाद राव (जिन्होंने बाद में चिरंजीवी के रूप में स्क्रीन पर पहचान मिली) और नागाबाबू के छोटे भाई थे.'पवन' टीइटल उन्हें एक मार्शल आर्ट इवेंट के बाद दिया मिला था और 1996 में' अक्कडा अम्मई इक्काडा अब्बाई' के साथ तेलुगु फिल्मों में अपनी शुरुआत करने के बाद यही उनका ऑन स्क्रीन नाम बन गया. पवन कल्याण के पास कराटे में ब्लैक बेल्ट है और वो बॉडी डबल का उपयोग किए बिना ज़्यादातर स्टंट करने के लिए जाने जाते हैं.

इतना ही नहीं, पवन खुद को पढ़ने-लिखने में बहुत प्रतिभावान नहीं मानते हैं और वो स्कूल के दिनों के असफलताओं के बारे में खुलकर बातें भी करते हैं. लेकिन अब पवन ने 2024 के चुनावों में 100 प्रतिशत अंक हासिल किया है. जिन-जिन सीटों पर भी उनकी जन सेना पार्टी ने चुनाव लड़ा था वहां उनका स्ट्राइक रेट 100 फीसदी रहा. यानी उनकी पार्टी ने सभी 21 विधानसभा और दो लोकसभा सीटों पर चुनाव जीता. यह एक शानदार वापसी थी क्योंकि महज पांच साल पहले, जब वह खुद गजुवाका और भीमावरम दोनों विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव में उतरे थे, तब उन्हें हार का सामना करना पड़ा था. उस समय उनका मजाक बनाया गया था. अगर राजनीति टॉलीवुड होती, तो पवन की एंट्री सबसे ज्यादा

ग्रांड होती.

आंध्र प्रदेश में वाईएस जगनमोहन रेड्डी को सत्ता से हटाने की मुहिम में पवन कल्याण इतने महत्वपूर्ण आखिर कैसे हो गए? सरल शब्दों में कहें तो, पवन ही वह उत्प्रेरक रहे जिन्होंने चुनाव की प्रयोगशाला में राजनीतिक रूप से धमाका करने के लिए अलग-अलग लोगों को एक साथ ले आए.

स्पोर्ट्स की ही तरह अगर कोई वाईएसआरसीपी के खिलाफ मैच में निर्णायक मोड़ की पहचान के बारे में पूछे, तो मैं कहूंगा कि यह छन सितंबर 2023 में आया. तब पवन कल्याण न्यायिक हिरासत में बंद चंद्रबाबू नायडू से मिलने राजमुंदरी सेंट्रल जेल पहुंचे थे. ऐसे समय में जब टीडीपी प्रमुख को भाजपा और वाईएसआरसीपी सरकार सहित किसी भी राजनीतिक वर्ग से समर्थन नहीं मिल रहा था, तब पवन आंध्र की राजनीति में एक सभ्य व्यक्ति के रूप में निकलकर सामने आए. उन्होंने न केवल समर्थन व्यक्त किया, बल्कि यह भी घोषणा की कि जन सेना 2024 का चुनाव टीडीपी के साथ लड़ेगी. यह सब तब हो रहा था जब नायडू भाजपा नेतृत्व के लिए अभिशाप बने हुए थे और जेएसपी एनडीए का हिस्सा थी. पवन ने एक ऐसे साहस और गुण का परिचय दिया जो जीतने वाले को हारने वाले से अलग करता है.

अगले कुछ महीनों में पवन कल्याण ने अपनी ताकतों का अच्छा इस्तेमाल किया. वह मोदी और अमित शाह को यह समझाने में कामयाब रहे कि हवा जगन के खिलाफ बह रही है. ऐसे में अगर वाईएसआरसीपी विरोधी वोटों का बंटवारा नहीं होता है तो चुनाव में जीत सुनिश्चित हो सकती है. पवन एकजुट मोर्चा बनाने पर इतने अड़े थे कि उन्हें 'कैमरामैन गंगटो रामबाबू' का उनका एक संवाद याद आ गया, जिसमें उनके किरदार ने कहा था, 'नाकू टिक्का लेस्ते, चीमा आइना ओक्काते, सीएम आइना ओक्काते' (अगर मैं भड़क गया, चाहे वह चींटी हो या सीएम, उनका हश्र एक जैसा होगा).

राजनीतिक लाभ और हर सीट के लिए टफ नेगोशिएशन करने वाले नेताओं के विपरीत पवन ने बड़ी दिल दिखाया. उन्होंने टीडीपी के साथ गठबंधन का हिस्सा बनने के लिए पहले उन्होंने 60 से 70 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की अपनी योजना को घटाकर 24 किया. बाद में भाजपा को तीन अतिरिक्त सीटें देने के लिए इसे 24 से और भी कम करके 21 कर दिया. इस बात से उनके कैडर परेशान हो गए थे क्योंकि वो इसे उनके महत्व को कम करने के प्रयास के रूप में देखने लगे. लेकिन पवन ने उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा कि युद्ध जीतना सीटों के बंटवारे पर छोटी-छोटी लड़ाइयाँ जीतने से ज़्यादा जरूरी है.

पवन के लिए यह आसान नहीं रहा. ऐसा कहा जाता है कि उन्हें सलाह मिली थी कि नायडू के साथ जाने के बजाय उन्हें इंतजार करना चाहिए. इसके पीछे का तर्क यह था कि अगर जगन 2024 में सत्ता में लौटे तो टीडीपी इस हार से उभर नहीं पाएगी. जिसके बाद पवन की पार्टी जनसेना पार्टी वाईएसआरसीपी के सामने मुख्य विपक्षी दल के रूप में आ सकते हैं. लेकिन पवन 2029 तक इंतजार करने के मूड में नहीं थे और उन्होंने साल 2024 को ही अपना बनाने का फैसला किया.

नायडू ने बुजुर्ग मतदाताओं को अपनी ओर खींचना शुरु किया क्योंकि उन्होंने उनके काम को हैदराबाद और एकीकृत आंध्र प्रदेश में प्रत्यक्ष रूप से देखा था. दूसरी ओर पवन ने नारा लोकेश के साथ मिलकर युवा वोटों को आकर्षित किया. जबकि मोदी ने एनडीए सरकार बनने पर अमरावती के लिए केंद्रीय सहायता का वादा किया. ऐसा कर के एनडीए ने सभी तरह के वोट बैंक को कवर किया जबकि जगन के लिए उनके मूल निर्वाचन क्षेत्र के वोट के अलावा कुछ नहीं बचा.

पवन अब आगे क्या करेंगे? भीड़ को आकर्षित करने वाले और उनमें जोश पैदा करने की उनकी क्षमता के कारण आंध्र प्रदेश की राजनीति में उनका कोई जोड़ नहीं है. इस बात को लेकर फिलहाल कोई स्पष्टता नहीं है कि वे उपमुख्यमंत्री बनेंगे या नहीं? उनके योगदान और उनके द्वारा अर्जित कद को देखते हुए उन्हें उपमुख्यमंत्री बनना चाहिए. इससे कापू समुदाय और गठबंधन को वोट देने वाले युवाओं में भी यह संदेश जाएगा कि उनके साथ आगे कोई धोखा नहीं होगा.

जहां तक उनके राजनीतिक ग्राफ की बात है तो परिवार के भीतर उन्होंने चिरंजीवी पर बढ़त हासिल कर ली है. 2008 में चिरंजीवी ने प्रजा राज्यम की शुरुआत की.

एनटीआर की तरह उन्होंने भी मुख्यमंत्री बनने की उम्मीद की. ऐसा नहीं हो सका और चिरंजीवी एक तरह से सूबे की राजनीति से निकलकर सिल्वर स्क्रीन की दुनिया में वापस लौट गए. पवन ने जगन और उनकी पार्टी के लोगों द्वारा उनकी तीन शादियों के बारे में व्यक्तिगत ताने सहे और अपने काम पर ध्यान केंद्रित किया.

तेलुगु सिनेमा में पवन सबसे अधिक बिकने वाले स्टार्स में से एक हैं. दक्षिण भारतीय फिल्म जगत में पवन की दीवानगी के बराबर सिर्फ रजनीकांत या विजय ही खड़े होते हैं. अपनी पार्टी और घर को चलाने के लिए वो अब कभी-कभार ही अभिनय में हाथ आजमाते दिखेंगे. लेकिन फिलहाल कुछ समय के लिए, उन्हें 'वकील साब' (अमिताभ बच्चन की 'पिंक' की रीमेक) में उनके किरदार द्वारा कहा गया संवाद याद रखना चाहिए–'इप्पुडु जनलकी नुव्वु कवाली' (अभी लोगों को आपकी जरूरत है).

मंडी से हार पर बोले विक्रमादित्य, मुझे अकेले ही इनसे निपटना पड़ा, सोनिया गांधी के कहने पर.

जालंधर (नितिका) :हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी की कंगना रनौत से चुनाव हारने के बाद कांग्रेस के उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि वह चुनाव नहीं लड़ना चाहते थे। उन्होंने कभी टिकट की मांग नहीं की।

उन्हें चुनाव लड़ाने का फैसला पार्टी की सीनियर नेता सोनिया गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने लिया। उन्होंने कहा कि आपको मंडी से चुनाव लड़ना है। एक इंटरव्यू में विक्रमादित्य सिंह ने अपनी हार पर कई सवालों के जवाब दिए।

हार को मै झटके तौर पर नहीं देखता हुं : विक्रमादित्य सिंह

जब विक्रमादित्य सिंह से पूछा गया कि इस सीट का प्रतिनिधत्व आपके पिता और माता ने की है। आप अपनी हार को कितना बड़ा झटका मानते हैं। इस पर विक्रमादित्य का कहना था कि यह एक ऐसा अनुभव है जो लंबी अवधि में मेरी मदद करेगा। वह एक योद्धा हैं, जो युद्ध के मैदान से नहीं भागता। जीतना और हारना खेल का हिस्सा है। हमारा वोट शेयर कई गुना बढ़ने के बावजूद वह हार गए। यह हार कोई झटका नहीं है। वह सिर्फ 34 साल का हैं और उन्हें बहुत आगे जाना है। यहां तक ??कि उनके माता-पिता आदरणीय वीरभद्र सिंह और प्रतिभा सिंह को भी इस सीट पर हार का सामना करना पड़ा, लेकिन वे भी तीन-तीन बार जीते।

सोनिया गांधी के कहने पर ही चुनाव लड़ने के लिए राजी हुआ

मीडिया चैनल को दिए एक साक्षात्कार में विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि वह लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ना चाहते थे। उन्होंने कभी टिकट की मांग नहीं की। लेकिन, पार्टी संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि उन्हें मंडी से चुनाव लड़ना चाहिए। उनके कहने पर ही वह चुनाव लड़ने के लिए राजी हुए।

हालांकि कांग्रेस उनकी मां प्रतिभा सिंह को यहां से चुनाव लड़ाना चाहती थी, लेकिन उन्होंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। इसके बाद पार्टी ने युवा चेहरे के रूप में विक्रमादित्य सिंह को यहां से लड़ने के लिए राजी किया।

शुद्धिकरण का उल्लेख हमारे शास्त्रों में मिलता है : विक्रमादित्य

कंगना को लेकर दिए गए शुद्धिकरण वाले बयान पर विक्रमादित्य ने कहा कि वह (कंगना रनौत) गोमांस खाने के बारे में खुद एक बार स्वीकार कर चुकी थीं। शुद्धिकरण का उल्लेख हमारे शास्त्रों में मिलता है। मुझे नहीं पता कि वह क्या सोचती है, लेकिन मैंने पूरे अभियान के दौरान कभी भी लक्ष्मण रेखा नहीं लांघी। मैंने उन्हें पूरा सम्मान दिया।

मैंने कांग्रेस की विचारधारा नहीं छोड़ी

अपने चुनाव अभियान का जिक्र करते हुए विक्रमादित्य सिंह ने कहा, 'मैंने कांग्रेस की विचारधारा नहीं छोड़ी है। मैं राम मंदिर अभिषेक समारोह में भाग लेने इसलिए गया था, क्योंकि इसमें मेरे दिवंगत पिता ने योगदान दिया था। चुनाव अभियान के दौरान हमने जो अनुसरण किया वह कोई प्रचार शैली नहीं थी, बल्कि सनातन संस्कृति का पालन करने वाले हिमाचल के लगभग 97 प्रतिशत लोगों की भावना थी। मेरा मानना है कि इससे मुझे फायदा हुआ। जय श्री राम और हिंदुत्व भाजपा के ट्रेडमार्क नहीं हैं।'

मुझे अकेले ही इनसे निपटना पड़ा : विक्रमादित्य सिंह

विक्रमादित्य सिंह ने कहा, 'मैं अपनी हार की जिम्मेदारी लेता हूं। लेकिन पार्टी भी मायने रखती है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव अलग-अलग मुद्दों पर लड़े जाते हैं। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू और डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने मेरे प्रचार में काफी समय दिया। यहां तक ??कि वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी दो रैलियां और रोड शो किए। कहा कि पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने इस सीट को प्रतिष्ठा का मुद्दा बना लिया था। उन्होंने 'मंडी की बेटी' आदि नारों से इसे क्षेत्रीय रंग दे दिया। पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के दौरों से बीजेपी को मदद मिली। मुझे अकेले ही इनसे निपटना पड़ा।'

जब उनसे पूछा गया कि वह कंगना को क्या संदेश चाहते हैं तो उन्होंने कहा कि चुनाव जीतना एक बात है, लेकिन चौबीसों घंटे वहां रहना दूसरी बात है। अब वह निर्वाचित हो गई हैं तो उन्हें वहां समय देना होगा। वह मंडी को कितना समय देती हैं, यह देखना महत्वपूर्ण होगा। मैंने मीडिया के माध्यम से उन्हें बधाई दी। उन्हें व्यक्तिगत रूप से शुभकामनाएं देना अभी बाकी है।

पानी डालते समय गिरी निर्माणाधीन शैलर की दीवार

नीचे दबने से तीन मजदूरों की मौत, दो घायल

जालंधर (हर्ष शर्मा) : सुनाम के गांव कनकवाल भंगुआं में निर्माणाधीन शैलर की दीवार गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई है और दो गंभीर रूप से घायल हैं। शनिवार सुबह निर्माणाधीन दीवार पर पानी डाला जा रहा था ।

इसी दौरान अचानक ही दीवार गिर गई और पांच मजदूर मलबे में दब गए। लोगों ने तुरंत मजदूरों को बाहर निकाला। जनक राज और अमनदीप सिंह को सुनाम के सरकारी अस्पताल में लाया गया जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। एसएमओ डॉ. संजय कामरा ने कहा कि पोस्टमार्टम की प्रक्रिया चल रही है। वहीं हादसे में गंभीर जख्मी कृष्ण, जगसीर और बिट्टू को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसएचओ कर्मजीत सिंह ने कहा कि गंभीर हालत में कृष्ण तथा बिट्टू को पटियाला रेफर कर दिया गया, जहां बिट्टू की भी मौत हो गई। एसएचओ ने कहा कि मृतक मजदूरों के परिजनों की शिकायत के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। मजदूर मुक्ति मोर्चा के नेता गोबिंद सिंह छाजली ने मृतकों के परिवारों को पचास लाख रुपये मुआवजा व सरकारी नौकरी देने की मांग की है । उन्होंने कहा कि सरकार, मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए कानून बनाए।

जम्मू-कश्मीर में होंगे विधानसभा चुनाव, इलेक्शन कमीशन ने दिए संकेत

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : लोकसभा चुनाव खतम होने के बाद चुनाव आयोग ने संकेत दिया है कि दिल्ली की तर्ज पर जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव होंगे। जम्मू-कश्मीर फिलहाल केंद्र शासित प्रदेश है। विधानसभा चुनावों के बाद स्थितियों को देखने के बाद राज्य का दर्जा देने पर कदम बढ़ाया जाएगा।

चुनाव आयोग ने केंद्र सरकार के गठन के बाद इस माह के अंत तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तारीख की घोषणा करने का संकत दिया है। चुनाव के मुद्दे पर गृह मंत्रालय के साथ चुनाव आयोग के साथ बैठक करेगा। गृह मंत्रालय के साथ बैठक के बाद विधानसभा चुनाव में शामिल होने वाले राजनीतिक दलों के साथ भी आयोग बैठक करेगा। चुनाव आयोग के मुताबिक इस बैठक में सुरक्षा संबंधी बंदोबस्त समेत अन्य पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। राजनीतिक दलों से बैठक के बाद विधानसभा चुनावों की घोषणा की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन करते हुए चुनाव आयोग सितंबर, 2024 तक विस चुनावों की प्रक्रिया संपन्न कराएगा। सूत्रों का कहना है कि चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर में चुनाव चिह्न (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश, 1968 के पैरा 10बी के तहत तत्काल प्रभाव से चुनाव चिह्नों के आवंटन की मांग करने की अपील की घोषणा की है।

अयोध्या में BJP की हार से आधी हुई कमाई

ई-रिक्शा चलाने वालों को पड़े कमाने के लाले

जालंधर(संदीप मान) : लोकसभा चुनाव 2024 के रिजल्ट आने के बाद सबसे ज्यादा चर्चा में अयोध्या है। यह शहर फैजाबाद लोकसभा सीट के अंतर्गत आता है। यहां से सपा के उम्मीदवार ने बीजेपी के उम्मीदवार को हराकर मैदान मारा है। सपा की जीत के बाद से ही अयोध्या के लोग निशाने पर हैं। बीजेपी की हार के बाद सोशल मीडिया पर आयोध्या के लोगों के बारे में तरह-तरह की बातें लिखी जा रही हैं। वहीं अब एक बात और सामने आई है। वह यह कि यहां बीजेपी की हार का असर लोगों की कमाई पर पड़ा है।

आधी से कम हुई कमाई

रिजल्ट के बाद यहां भगवान राम के दर्शन करने आने वाले लोगों की संख्या में कमी आई है। इसका सीधा असर यहां कमाई करने वाले लोगों की रोजी-रोटी पर पड़ा है। इनकी कमाई पहले के मुकाबले आधे से कम हो गई है। ई-रिक्शा चलाने वाले एक शख्स ने बताया कि वह पहले रोजाना 500 से 800 रुपये कमा लेते थे। लेकिन अब रोजाना की कमाई मुश्किल से 200 से 250 रुपये ही रह गई है। पर्यटकों की संख्या कम होने से यह शहर वीरान सा नजर आ रहा है।

बीजेपी नेताओं पर लगाया आरोप

ई-रिक्शा चलाने वाले शख्स ने अयोध्या की अनदेखी का आरोप बीजेपी नेताओं पर लगाया है। उस शख्स का कहना है कि सरकार ने अयोध्या की तरफ ध्यान नहीं दिया। इस कारण से यहां की कई सड़कें बंद हो गई हैं और विकास की गति रुक गई है। अगर सरकार की इस शहर से बेरुखी ऐसी ही रही तो दूसरी जगहों पर भी ऐसी ही स्थिति पैदा हो जाएगी। उन्होंने शहर के विकास पर ध्यान न देने का आरोप बीजेपी के पूर्व सांसद और इस बार भी बीजेपी के उम्मीदवार रहे लल्लू सिंह पर भी लगाया। ई-रिक्शा ड्राइवर ने कहा कि मैं यहां 10 साल से रिक्शा चला रहा हूं।

मैंने अयोध्या को बढ़ते और संवरते देखा है। लेकिन बीजेपी सरकार को अब कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जिससे इस क्षेत्र के विकास पर ध्यान नहीं दिया गया। इसके लिए बीजेपी उम्मीदवार रहे लल्लू सिंह भी जिम्मेदार हैं क्योंकि न ही तो वह हमारे मुद्दों पर ध्यान देते थे और न ही कभी शहर की जनता से मुलाकात की।

यहां मंत्रियों का लगातार आना-जाना लगा रहता है। वे आम आदमी से कभी नहीं मिले। वे आते हैं, रैलियां करते हैं और शहर की जनता से बिना मिले चले जाते हैं।

पर्यटकों की संख्या में आई कमी

बिजनेस टुडे में प्रकाशित इस खबर में ई-रिक्शा चलाने वाले के हवाले से बताया गया है कि अब यहां पर्यटकों की संख्या भी काफी कम आ गई है। उन्होंने कहा कि पहले राम मंदिर और हनुमानगढ़ी में काफी संख्या में लोग आते थे। लेकिन अब यहां आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या में भारी कमी आई है या कह सकते हैं कि तीर्थयात्रियों ने आना बंद कर दिया है। तीर्थयात्रियों की कम संख्या होने से रिक्शे के कम चक्कर लगते हैं जिसका असर आमदनी पर पड़ रहा है। यह तब है जब राम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा बहुत ही धूमधाम से हुई थी।

सपा उम्मीदवार ने बीजेपी उम्मीदवार को हराया

लोकसभा चुनाव में यहां से बीजेपी उम्मीदवार लल्लू सिंह और सपा उम्मीदवार अवधेश प्रसाद के बीच में कड़ा मुकाबला था। जीत सपा उम्मीदवार अवधेश प्रसाद को मिली। उन्होंने दो बार के सांसद लल्लू सिंह को 54,567 वोटों से हराया था। इस हार से बीजेपी को काफी नुकसान हुआ क्योंकि वह राम मंदिर के मुद्दे को भुना नहीं पाई। सोशल मीडिया में बीजेपी की हार का ठीकरा यहां की जनता पर फोड़ा जा रहा है। सोशल मीडिया पर अयोध्या के लोगों के लिए तरह-तरह की बातें लिखी जा रही हैं।

पीएम शपथग्रहण समारोह में पंजाब से एक भी मंत्री नहीं होगा मौजूद, जानें आखिर क्या है इसकी वजह

जालंधर (जसवीर) : नरेंद्र मोदी जब रविवार को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री की शपथ लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार का गठन करेंगे तो उसमें इस बार पंजाब से कोई मंत्री नहीं होगा।

लगभग तीन दशक बाद ऐसा पहली बार होगा जब पंजाब से एक भी मंत्री सरकार में नहीं होगा। दरअसल इन संसदीय चुनाव में पंजाब की 13 सीटों पर या तो आईएनडीआई गठबंधन के उम्मीदवार जीते हैं या फिर निर्दलीय हैं जो किसी भी गठबंधन के साथ नहीं हैं।

पंजाब से एक भी नहीं भाजपा का मंत्री

एक शिरोमणि अकाली दल का जीता है वह भी किसी गठबंधन का हिस्सा नहीं है। इसी तरह पंजाब से सात राज्यसभा के सदस्य भी हैं लेकिन वे सभी आम आदमी पार्टी के हैं। अब सवाल उठता है कि क्या इस बार पंजाब के हाथ खाली रहेंगे? शिअद और भाजपा के गठजोड़ के कारण हरसिमरत कौर बादल केंद्र में मंत्री बनती रही हैं। प्रधानमंत्री अकाली दल की सीटें कम होने के बावजूद उन्हें कैबिनेट में स्थान देते रहे हैं। इसके अलावा भाजपा भी अपने हिस्से की तीन सीटों में से दो पर जीतती रही है जिनमें से एक को राज्य मंत्री बनाया जाता रहा है। 2014 में विजय सांपला को और 2019 में सोम प्रकाश मंत्री बने थे।

भाजपा के पंजाब में रहे खाली हाथ

इस बार भाजपा के भी पंजाब से खाली हाथ ही रहे हैं। पूर्व अमेरिकी राजदूत तरणजीत सिंह संधू को विशेष रूप से अमृतसर से चुनाव लड़वाया गया। तेजा सिंह समुंद्री के पोते आईएफएस अधिकारी संधू विदेश मंत्री एस.जयशंकर के काफी करीबी रहे हैं लेकिन वह भी चुनाव हार गए।

संभवत: वह जीतते तो पंजाब से एक बड़े मंत्री के रूप में उन्हें कैबिनेट में जगह मिलती। ऐसा नहीं है कि यह गलत अमृतसर वासियों ने पहली बार की है। इससे पहले उन्होंने इसी सीट से 2014 में अरुण जेटली को एक लाख के मतों से हराया तो दूसरी बार 2019 में हरदीप पुरी को हराया।

अकाली दल और भाजपा इस चुनाव में रहीं अलग

भाजपा ने दोनों ही नेताओं को अन्य प्रदेशों से राज्य सभा का सदस्य बनाकर उन्हें केंद्र में मंत्री ले लिया लेकिन इस बार भाजपा की सीटें घटने के कारण दूसरे दलों को प्राथमिकता देने की वजह से संभवत: तरणजीत सिंह संधू को राज्यसभा से सीट दिलाकर मंत्री न बनाया जाए। यह केवल उस स्थिति में ही होगा अगर केंद्र सरकार पंजाब को कैबिनेट में प्रतिनिधित्व देना चाहे।

शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी में इस बार गठबंधन नहीं था जिस कारण अकाली दल भी केवल बठिंडा सीट पर ही हरसिमरत बादल को जितवा पाया है लेकिन वह एनडीए का हिस्सा नहीं हैं इसलिए उनका मंत्री बनना मुश्किल है।

सात सीटें कांग्रेस के हिस्से आई हैं जो लगातार तीसरी बार विपक्षी बैंचों पर ही बैठेगी। तीन सीटें आम आदमी पार्टी ने जीती हैं जो आईएनडीआईए का ही हिस्सा है। दोनों पार्टियां बेशक एक ही गठबंधन की हैं लेकिन दोनों ने पंजाब में अलग अलग चुनाव लड़ा है। दो सीटों पर निर्दलीय सरबजीत सिंह खालसा और अमृतपाल सिंह जीते हैं। दोनों ही किसी भी गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं।

‘खटाखट’ वाले 1 लाख दो, दिल्ली में महिलाओं ने संजय सिंह और राघव चड्ढा को घेरा, बचकर निकले AAP सांसद

जालंधर(काजल विज) : कांग्रेस के नेतृत्व वाले INDI गठबंधन के चुनावी वादों के मद्देनजर मुस्लिम महिलाओं ने विपक्षी पार्टी के नेताओं द्वारा किए गए वित्तीय वादों की मांग शुरू कर दी है। एक महत्वपूर्ण घटना में महिलाओं ने नई दिल्ली में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह और राघव चड्ढा की कारों को घेर लिया और वादा किए गए एक-एक लाख रुपये की मांग की। इन महिलाओं ने नेताओं को चुनाव के दौरान किए गए वादे की याद दिलाई कि उन्हें जल्द ही ‘खटाखट’ पैसा मिलेगा।

दरअसल, कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए पैसे देने का वादा किया था, जिसमें महिलाओं को सालाना एक लाख रुपये और बेरोजगार युवाओं को नियमित वेतन देना शामिल था।

INDI गठबंधन ने बाकायदा इन वादों के साथ गारंटी कार्ड बांटे थे। सिंह और चड्ढा की गाड़ियों को घेरने वाली मुस्लिम महिलाओं ने उनसे वो पैसा माँगा, जिसका वादा राहुल गांधी और अन्य विपक्षी ने किया था।दरअसल, कांग्रेस ने अपनी चुनावी रैलियों में वादा किया था कि 5 जून, 2024 से उनके खातों में खटाखट-खटाखट पैसा आना शुरू हो जाएगा। हालाँकि, आक्रामक मांगों के बावजूद, क्क के दोनों नेताओं के पास इसका जवाब नहीं था, वे जैसे तैसे महिलाओं से बचकर निकलते नज़र आए।

बता दें कि, उत्तर प्रदेश के लखनऊ में कांग्रेस मुख्यालय में भी इसी तरह के दृश्य सामने आए थे, जहां मुस्लिम महिलाओं की लंबी कतारें लगी हुई थीं, जो वादा किए गए एक लाख रुपये की मांग कर रही थीं। अपने पहचान पत्र और कांग्रेस के ‘गारंटी कार्ड’ के साथ ये महिलाएं वादे के मुताबिक, खटाखट पैसे और स्थायी नौकरी की मांग कर रही थीं।

गारंटी कार्ड में कर्ज माफी और शिक्षित युवाओं के लिए नियमित वेतन के वादे भी शामिल थे। बैंगलोर में भी मुस्लिम महिलाएं इसी पैसे की मांग करते हुए कांग्रेस ऑफिस पहुंची थी, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी। कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन के महत्वाकांक्षी चुनावी वादे अब एक बड़ी चुनौती बन गए हैं, क्योंकि उन्हें अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए जनता के बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस और आप में खींच गई तलवारें, चुनाव में हार का ठीकरा आप ने कांग्रेस पर फोड़ा

जालंधर(हिमांशु) : आम चुनाव खत्म होने के साथ ही आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच तलवारें खिंच गईं हैं। दिल्ली और हरियाणा में AAP के निराशानजक प्रदर्शन के बाद AAP के नेता कांग्रेस को आधे हाथों लेने लगे हैं।

दो दिन पहले ही केजरीवाल सरकार के मंत्री गोपाल राय ने कहा था कि दिल्ली विधानसभा के लिए AAP-कांग्रेस में कोई गठबंधन नहीं है और हम दिल्ली में अपनी अपनी पूरी शक्ति से अकेले दिल्ली का चुनाव लड़ेंगे। अब हरियाणा में भी AAP इसी रास्ते पर चल पड़ी है।

दरअसल, AAP ने दिल्ली और हरियाणा में मिलकर चुनाव लड़ा था और दोनों ही राज्यों में AAP का खाता नहीं खुल सका। हालाँकि, पंजाब में दोनों अलग-अलग लड़े थे और एक दूसरे पर जमकर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे, यहाँ AAP को 3 और कांग्रेस को 7 सीटें मिली हैं। हरियाणा में गठबंधन के मुताबिक, AAP के खाते में कुरुक्षेत्र की एक सीट आई थी, मगर यहां भी उसे शिकस्त का सामना करना पड़ा, जबकि गठबंधन की सहयोगी कांग्रेस हरियाणा में 0 से बढ़कर 5 सीटें जीतने में कामयाब रही। AAP ने कुरुक्षेत्र में मिली पराजय का ठीकरा अब कांग्रेस पर फोड़ दिया है।

AAP के हरियाणा प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने एक प्रेस वार्ता करते हुए कांग्रेस पर संगीन इल्जाम लगाए। उन्होंने कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला और अशोक अरोड़ा पर हमला बोलते हुए उन पर भितरघात करने का आरोप लगाया। अनुराग ढांडा ने कहा कि कुछ ताकतों ने यह प्रयास किया कि हरियाणा में AAP की भ्रूण हत्या कर दी जाए। क्योंकि उन्हें लगा कि अगर AAP कुरुक्षेत्र में जीतती है, तो हरियाणा की सियासत में भूचाल आ जाएगा और बड़े सियासी दलों को समस्या हो जाएगी। इसलिए AAP की भ्रूण हत्या की साजिश की गई है।

अनुराग ढांडा ने आगे कहा कि, ‘जो साजिशें कुरुक्षेत्र में रची गई, उसकी असल वजह आने वाले दिनों में सामने आएगी, मगर हमारे कार्यकर्ता जो हमें बता रहे हैं, वो शक पैदा करता है। कैथल में जिस कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला को प्रभावशाली माना जाता है। वह कई राज्यों में कांग्रेस के प्रभारी भी रहे हैं। वो पिछली दफा अपने विधानसभा चुनाव में 500-700 मतों से रह गए थे, उसके बाद भाजपा के खिलाफ इतनी सत्ता विरोधी लहर भी चल रही थी, उसके बावजूद सुरजेवाला जी के इलाके से गठबंधन 17000 वोट कैसे पिछड़ गया? ये बात समझ नहीं आती है। जिस बूथ पर सुरजेवाला ने मतदान किया, वहां भी गठबंधन को हार मिली। ऐसे में तो सवाल तो उठेगा ही।’

ढांडा ने आगे कहा कि, ‘अशोक अरोड़ा जो मुख्यमंत्री हुड्डा के राइट हैंड माने जाते हैं, विधानसभा में सिर्फ कुछ सौ वोटों से हारे थे, उनके इलाके में यदि 18000 वोटों से गठबंधन हार जाए, तो सवाल मन में अवश्य उठता है। क्या गजब इत्तेफाक है कि जहां-जहां कांग्रेस के MLA या प्रभावशाली नेता थे, उन-उन विधानसभा क्षेत्रों में हम आम चुनाव में हार जाते हैं। जहां कांग्रेस के बड़े नेता या विधायक नहीं थे, वहां हमारे कार्यकर्ता मेहनत कर रहे थे, वहां हमारे प्रत्याशी को जीत मिली। इससे समझ आता है कि या तो सुरजेवाला और अरोड़ा जी का कोई महत्त्व नहीं रहा, लोगों ने इन्हें ख़ारिज कर दिया। मगर, यदि सुरजेवाला जी का कद है, तो फिर सवाल अवश्य उठेंगे।’

उन्होंने शंका जाहिर की है कि भिवानी महेंद्रगढ़ और करनाल में कांग्रेस ने सांठगांठ की थी, जहां कांग्रेस जीत सकती थी, मगर ऐसे लोगों को टिकट दिया गया, जिससे गठबंधन को नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा कि 90 की 90 सीटों पर विधानसभा सीटों पर क्कअपने बूते पर लड़ेगी। इस दौरान उन्होंने भूपेंद्र हुड्डा पर भी हमला बोला। बता दें कि गठबंधन उम्मीदवार सुशील गुप्ता इस चुनाव में भाजपा के नवीन जिंदल से 29021 वोटों से मात खा गए थे। कुरुक्षेत्र सीट से जहां नवीन जिंदल को 542175 वोट प्राप्त हुए, तो वहीं सुशील गुप्ता को 513154 वोट मिले। तीसरे स्थान पर रहे इनेलो को अभय चौटाला को यहां 78708 वोट मिले।

अब टोल प्लाजा पर नहीं मिलेगा बैरियर!

नई मोदी सरकार में कार चलाने वालों के लिए सबसे बड़ी खुशखबरी

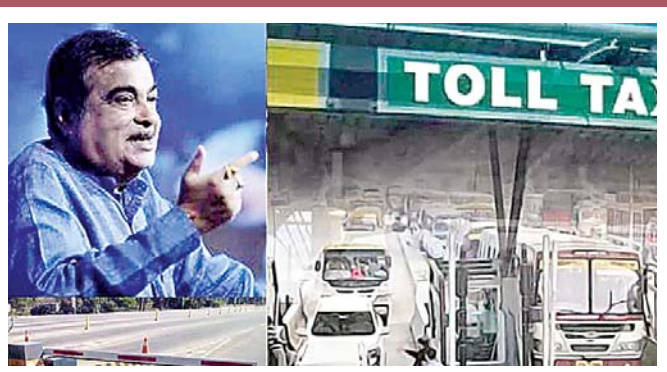

जालंधर(संदीप मान) : अगर आप भी हाइवे पर कार या बस से सफर करते हैं तो यह खबर पढ़कर आप खुश हो जाएंगे. वाहनों के टोल के लिए फास्टैग सिस्टम लागू होने के बाद भी टोल प्लाजा पर निकलने में काफी समय लग जाता है. लेकिन अब मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दौरान इस समस्या से आपको छुटकारा मिलने की उम्मीद है. जी हां, एनएचएआई की तरफ से ऐसे सिस्टम पर काम किया जा रहा है, जिससे आपको टोल प्लाजा पर समय नहीं लगेगा और आसानी से टोल का भुगतान हो जाएगा. मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में इस सिस्टम के पूरी तरह से लागू होने की उम्मीद है.

बैरियर नहीं मिलेगा और कार फर्राटे से निकल जाएगी : इस सिस्टम के लागू होने के बाद आपको टोल पर किसी तरह का बैरियर नहीं मिलेगा और आपकी कार फर्राटे से निकल जाएगी. इसको

ध्यान में रखते हुए एनएचएआइ ने बिना रुके टोल कलेक्शन करने के लिए दुनियाभर की नई तकनीक वाली कंपनियों से एक्सप्रेसन ऑफ इंटरेस्ट मंगाया है. इसका मकसद इलेक्ट्रॉनिक टोल वसूली सिस्टम बनाना है, जो ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम पर बेस्ड होगा. इससे वाहनों से टोल वसूली का काम आसान हो जाएगा. ह्ऌ मौजूदा फास्टैग सिस्टम के साथ ही इसे मिलाकर नया इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम लाने का प्लान कर रही है.

शुरुआत में दोनों सिस्टम साथ-साथ काम करेंगे

यह पूरा सिस्टम ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम पर बेस्ड होगा. शुरुआत में दोनों सिस्टम साथ-साथ काम करेंगे. यानी गाड़ियों में अभी जो फास्टैग लगे हैं वो भी काम करेंगे और नए ञ्जह्वस्स् वाले सिस्टम भी यूज होंगे. जिन गाड़ियों में ञ्जह्वस्स्-बेस्ड सिस्टम एक्टिव होगा उनके लिए टोल प्लाजा पर अलग लेन होगी. इस लेन से कार निकालते समय आपको रुकने की जरूरत नहीं होगी. जैसे-जैसे गाड़ियों में नया सिस्टम शुरू होगा, वैसे-वैसे टोल प्लाजा पर पुरानी लेन खत्म होती जाएंगी और केवल ञ्जह्वस्स् लेन ही एक्टिव रहेंगी.

22 जुलाई तक भेज सकेंगे एक्सप्रेसन ऑफ इंटरेस्ट

नई GNSS टेक्निक का फायदा उठाने के लिए एनएचएआई दुनियाभर में उन कंपनियों की तलाश कर रहा है जो बेहतर टोल वसूली सॉफ्टवेयर बनाकर तैयार कर सकें. आसान शब्दों में कहें तो यह सॉफ्टवेयर गाड़ियों का पता लगाकर उनसे सफर किए गए रास्ते के हिसाब से टोल की राशि वसूलने में अहम भूमिका निभाएगा. NHAI की तरफ से इस प्लान को लागू करने की पूरी योजना भी जारी की गई है और इसमें सुझाव भी आमंत्रित क?ये गए हैं. इस पूरे प्लान में दिलचस्पी रखने वाली कंपनियां 22 जुलाई को शाम 3 बजे तक tenders@ihmcl.com पर ईमेल करके अपने इंटरेस्ट के बारे में बता सकती हैं.

देश में GNSS बेस्ड इलेक्ट्रॉनिक टोलिंग सिस्टम लागू होने से हाइवे पर गाड़ियों का आवागमन आसान हो जाएगा. इससे गाड़ी चलाने की बिना किसी रुकावट के टोल वसूली हो सकेगी. साथ ही टोल सिर्फ उतने ही रास्ते के लिए लगेगा, जितने पर गाड़ी चली है पूरे हाइवे के लिए टोल नहीं देना होगा.